हिन्दी साप्ताहिक

Title Code:- UTTBIL00534

उत्तराखण्ड अभ्युदय

♦वर्ष -01 ♦ अंक-12 ♦देहरादून - रविवार 12 जनवरी 2025 ♦पृष्ठ : 4 ♦मूल्यः 1/-

प्रवास के दौरान पीएम मोदी करेंगे बदरी-केदार में पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा, जा सकते हैं मुखबा

देहरादून। राज्य सरकार की योजना बदरी-केदार की तर्ज पर केंद्र सरकार की मदद से सीमांत जिले उत्तरकाशी के गंगोत्री और यमुनोत्री धामों का सुनियोजित विकास कराने की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड के एक दिवसीय प्रवास के दौरान बदरीनाथ-केदारनाथ में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा करेंगे और शीतकालीन यात्रा का संदेश देने के लिए इस बार गंगोत्री के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा या यमुनोत्री के खरशाली जा सकते हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि दिल्ली प्रवास के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन और शीतकालीन यात्रा पर आने का अनुरोध किया था। प्रधानमंत्री ने इसके के लिए अनुमति दे दी है। बता दें कि अब राज्य सरकार की योजना बदरी-केदार की तर्ज पर केंद्र सरकार की मदद से सीमांत जिले उत्तरकाशी के गंगोत्री और यमुनोत्री धामों का सुनियोजित विकास कराने की है।

इसलिए मुख्यमंत्री ने मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री से इस बार गंगोत्री के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा या यमुनोत्री के खरशाली आने का अनुरोध किया। सीएम ने कहा, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करने जब उत्तराखंड आएंगे तो वह केदारनाथ में चल रहे दूसरे चरण के पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा करेंगे। वह बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति जानेंगे। सरकार की ओर से दोनों ही प्रोजेक्टों का प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा।

बताया जा रहा कि पीएम करीब साढ़े पांच घंटे उत्तराखंड में रहेंगे। पीएम के दौरे को लेकर कार्यक्रम तय किए जा रहे हैं। साथ ही उनके दौरे को लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं।

गोल्डन कार्डधारी पेंशनर्स को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले

देहरादून(आरएनएस)। उत्तराखंड पेंशनर्स समन्वय समिति ने सीएम और मुख्य सचिव को पत्र लिखकर गोल्डन कार्डधारी पेंशनरों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाने की मांग की है। पत्र में समिति के सदस्य सुशील त्यागी ने कहा कि सरकार ने 25 नवंबर 2021 को शासनादेश जारी कर बीमार पेंशनर्स को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया था, लेकिन धरातल पर निम्न स्तर की सुविधा भी मुश्किल से मिल रही है। नेत्ररोग ऑपरेशन में लैंस के रेट 10 हजार से 50 हजार तक हैं, लेकिन उच्च स्तरीय महंगे लैंस की जगह साधारण लैंस की सुविधा मिलती है। इसी तरह हृदय रोगों में स्टंट भी उच्च स्तरीय न होकर साधारण स्तर के लगाए जाते हैं।

निकाय चुनाव में कांग्रेस की होगी जीतः हरीश रावत

ऋषिकेश(आरएनएस)। निकाय चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के प्रचार में कांग्रेस के बड़े नेता भी मैदान में उतर गये हैं। शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत कांग्रेस उम्मीदवारों के प्रचार के लिए जनता के बीच पहुंचे। यहां उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को कई मुद्दों पर घेरा। आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा राज में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के चलते जनता परेशान है। ऐसे में जनता भाजपा को जवाब देने के लिए तैयार है। निकाय चुनाव में कांग्रेस की जीत होगी और भाजपा को हार का सामना करना पड़ेगा। नगर पालिका मुनिकीरेती-ढालवाला में कांग्रेस से अध्यक्ष पद की प्रत्याशी उर्मिला राणा के चुनावी कार्यालय उद्घाटन के अवसर पर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि बीजेपी सरकार में आम आदमी का जीना मुश्किल हो गया है। राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं और सत्ता में बैठे नेता दोषियों को बचाने में लगे हैं। आटा, चावल, दाल, सब्जी और तेल के भाव आसमान छू रहे हैं। बेरोजगार युवा रोजगार के लिए धक्के खा रहे हैं। बीजेपी सरकार में बेरोजगारों का दमन किया जा रहा है। 2014 में केंद्र सरकार द्वारा 2 करोड़ बेरोजगारों को रोजगार दिए जाने का वादा किया गया था। 2025 आ गया है, लेकिन आज तक वायदा पूरा नहीं हुआ है। आरोप लगाया कि राज्य की भाजपा सरकार निकाय चुनाव कराने से डरी हुई थी, जिसके चलते सरकार द्वारा चुनाव को 14 महीने पीछे धकेल दिया गया। उच्च न्यायालय के आदेश पर राज्य में निकाय चुनाव हो रहे हैं। कहा कि निकाय चुनाव साल 2027 के विधानसभा चुनाव की आधारशिला रखेंगे। भाजपा सरकार प्रत्येक मोर्चे पर विफल हो चुकी है, जिसका जवाब जनता निकाय चुनाव में देगी। उन्होंने निकाय चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए जनता से समर्थन भी मांगा। पूर्व विधायक ओमगोपाल रावत ने कहा कि निकाय चुनाव में कांग्रेस भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी। मुनिकीरेती में बीते पांच साल में विकास कार्य नहीं होने से जनता परेशान है। इसलिये वह नगर पालिका मुनिकीरेती में बदलाव चाहती है। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख नरेन्द्रनगर वीरेन्द्र कण्डारी, जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल, महावीर खरोला, प्रदीप राणा समेत कांग्रेस से सभासद प्रत्याशी आदि मौजूद रहे।

दूसरे राज्यों के वाहनों से ग्रीन सेस सिस्टम जल्द लागू करें: मुख्य सचिव

देहरादून(आरएनएस)। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने परिवहन विभाग को दूसरे राज्यों के वाहनों पर ग्रीन सेस की व्यवस्था जल्द लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही वन विकास निगम को लकडियों की बिक्री का ठोस आनलाइन सिस्टम तैयार करने के निर्देश दिए। आबकारी विभाग द्वारा फ्रूट वाइनरी कंपनियों पर निर्णय लेने में की जा रही ढिलाई पर भी नाराजगी जताई गई। शुक्रवार को सचिवालय में वर्तमान राज्य लक्ष्य हासिल और नए लक्ष्य तय करने के लिए आयोजित बैठक में मुख्य सचिव ने परिवहन, वन, आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। मालूम हो कि राज्य में आने वाले दूसरे राज्यों के वाहनों से ग्रीन सेस लेने का निर्णय बीते साल फरवरी 2023 में हो चुका है। अब तक परिवहन विभाग इसका सिस्टम लागू नहीं कर पाया। परिवहन विभाग इसे लागू करने के लिए कुछ विशेषज्ञ कंपनियों से चर्चा कर रहा है। निकाय चुनाव के बाद यह लागू होने की उम्मीद की जा रही है। इसी प्रकार कुछ कंपनियों ने राज्य में निवेश के तहत फ्रूट वाइनरी लगाने की इच्छा जाहिर की, लेकिन आबकारी विभाग के असमंजस की वजह से प्रक्रिय तेजी नहीं पकड़ पा रही। इस पर अपर मुख्य सचिव-वित्त आनंद वर्धन ने भी आबकारी अधिकारियों से नाराजगी जाहिर की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को दूसरे राज्यों के रेवेन्यू मॉडल का अध्ययन करने की नसीहत भी दी। खनन विभाग के राजस्व में बढोत्तरी की सराहना करते हुए अधिकारियों को नए साल के लिए बेहतर लक्ष्य तय करने को कहा। मुख्य सचिव ने सभी विभागों के सचिवों को अगले बजट के प्रस्तावों पर तेजी से कार्य करते हुए तय समय पर भेजने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सचिव नितेश झा, दिलीप जावलकर, पंकज कुमार पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

ग्रामीण पर्यटन:विकास का नया वातायन

ग्राम: भारतस्य हृदयम्, तत्रैव निहितं बलम्।
पर्यटनं च समृद्ध्यर्थं, ग्रामे विकसनं शुभम्।।
कृषका: ग्रामवासिन:,तेषु भारतस्य प्राण:।
पर्यटनं तेभ्य: लाभाय,विकासो निश्चयो भवेत्।।

अर्थात्
गांव में भारत का हृदय बसता है, और उसमें ही उसकी शक्ति निहित है।पर्यटन के माध्यम से जब ग्रामीण क्षेत्रों का विकास होता है, तो राष्ट्र की समृद्धि सुनिश्चित होती है। भारत की असली पहचान उसके गांवों में है। ग्रामीण पर्यटन से न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है,बल्कि भारत की संस्कृति,परंपरा और प्राकृतिक सौंदर्य भी जीवंत होता है। किसान और गांववासी भारत के प्राण हैं।पर्यटन उनके लिए लाभकारी बनता है, जिससे विकास होता है।ग्रामीण पर्यटन से ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर मिलते हैं। इसके अलावा,पर्यटक भारतीय गांवों की प्राचीन परंपराओं,हस्तशिल्प, कला,संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़ते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास होता है। हमारे पहाड़ के ग्रामीण जीवन समृद्ध हों, इसलिए ग्राम का विकास आवश्यक है।हमारे पहाड़ के गांव के प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण के उपयोग के सुनियोजित उपयोग से आर्थिक संवृद्धि पानी है।पहाड़ के जंगलों में पैदा होने वाले शुद्ध शहद से लेकर सीढ़ीदार खेतों में उगाया जाने वाला आर्गेनिक मंडुआ, झंगोरा, गहथ,राजमा और हैंडमेड ऊनी वस्त्र से लेकर हैंडिक्राफ्ट तक सभी के उत्पादन को बढ़ावा देना है। इनकी बिक्री के लिए ई-कामर्स प्लेटफार्म पर ब्रांडिंग करनी है।राज्य के समग्र विकास के लिए,गांवों की आर्थिकी मजबूत की जानी जरूरी है। पहाड़ के गांवों के सौहार्दपूर्ण, स्निग्ध मधुर अतीत की पुन: रौनक लौटानी है, रिश्तों में जीवंतता लानी है। पुरातनता और प्रगतिशीलता के सामंजस्य से सुख, समृद्धि ,समरसता लानी है। पहाड़ के गांव की आर्थिक संवृद्धि के लिए, आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए अपने प्रयास जारी रखने हैं। पर्यावरण संरक्षण जल संरक्षण और वनौषधियों के प्रसंस्करण से आर्थिक संवृद्धि लाकर देवभूमि के हर घर में खुशियां लानी है स्वरोजगार और स्वाध्याय की धुन जगानी है। ग्रामीण पर्यटन के विकास व गांवों की आत्मनिर्भरता हेतु हमारे प्रयास अहर्निश जारी रहेंगे।
जय देवभूमि उत्तराखण्ड!!जय भारत !!

डॉ.(श्रीमती)गार्गी मिश्रा

गुस्साएं 45 करोड अरबी, आशंकित हुक्मरान

श्रुति व्यास
अरब लोग नाराज हैं।ये दो दर्जन से ज्यादा देशों में फैलेकोई ४५ करोड़ है। उनकी सहानुभूति फिलिस्तीन के साथ है। अरबी लोग फिलिस्तीनके पक्ष में खुल कर बोल रहे हैं। वे २४ घंटे टीवी से चिपके रहते हैं और सोशल मीडिया पर कभी खत्म न होने वाली चर्चा में हमास के भयावह हमले, जिसे उन्होंने 'प्रिजन ब्रेक' (जेल तोडना) का नाम दिया है, पर अपनी-अपनी बात कहते हुए हैं। उनके पोस्ट, बताते हैं कि वे हमास के बर्बर हमले के जबरदस्त समर्थक हैं। उनकी निगाह में इजराइल एक 'युद्ध अपराधी' है।
वैसे कुछ अरब देशों ने इजराइल के साथ सामान्य संबंध बनाए हुए हैं। इनमें मिस्र और जॉर्डनशामिल हैं। इन्होनेक्रमश: १९७९ और १९९४ में इजराइल को मान्यता दी थी। फिर २०२० में अब्राहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। लेकिन पिछले हफ्ते अम्मान में इजराइली दूतावास में घुसने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों और जॉर्डन की पुलिस के बीच भिड़ंत हुई। बेरूत मे भी अमेरिका के दूतावास पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। पिछले दो शुक्रवारों से मिस्र में लोग फिलिस्तीनियों को विस्थापित कर दूसरी जगह बसाने की इजराइल की रणनीति के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। मोरक्को में हजारों लोगों ने यह नारा लगाते हुए जुलूस निकाला कि इजराइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की कोई भी कोशिश अपराध मानी जाए। रबात में इजराइल का लिईसों आफिस बंद हो गया है। उसके कर्मचारियों को वापस भेज दिया गया है। बहरीन में इजरायली दूतावास की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस को तितर-बितर करना पड़ा। अगर सूडान अपने स्वयं के युद्ध में उलझा न होता तो वहां भी निश्चित रूप से उसी प्रकार के विरोध प्रदर्शन होते जैसे वहां की सरकार द्वारा सन् २०२० में इजराइल से सामान्य संबंध कायम करने के बाद हुए थे।
इस सब की आशंका पहले से थी। फिलिस्तीनियों की उनकी जमीन से बेदखली पूरे मध्यपूर्व में एक बड़ा राजनैतिक मुद्दा है। इस पर लोगों को गोलबंद करना, उन्हे भडकाना काफी आसान होता है। लेकिन पहले के टकरावों, जैसे गाजा में सन् २०१४ में हुए ५० दिन के युद्ध, की तुलना में इस बार पूरे क्षेत्र में अधिक घबराहट है। यह क्षेत्र आर्थिक दृष्टि से अधिक अस्थिर हो गया है और भावनात्मक ध्रुवीकरण बढ़ा है जिससे अरब देशों की सरकारों के लिए भी खतरा उत्पन्न हो गया है। इसलिए ये विरोध प्रदर्शन अब सिर्फ फिलिस्तीन के मुद्दे पर केन्द्रित नहीं हैं। बल्कि ऐसे संकेत हैं कि जो गुस्सा पहले दबा दिया गया था, वह दुबारा जोर पकड़ सकता है। मिस्र एक कमजोर सरकार की कमान में आर्थिक संकट से जूझ रहा है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने एक पूरे दिन फिलिस्तीन-समर्थक प्रदर्शनों की अनुमति देकर इस आक्रोश को अपने प्रति समर्थन में बदलने का प्रयास किया था। परन्तु उनका पांसा उल्टा पड़ गया। पूर्व निर्धारित स्थानों को छोडकर लोग तहरीर स्क्वायर पहुंच गए जहाँ उन्होंने रोटी, आजादी और सामाजिक न्याय मांगते हुए वही नारे लगाए जो २०११ के प्रदर्शनों में लगाए जाते थे। तहरीर स्क्वायर एक प्रसिद्ध स्थल है और वहां नारेबाजी से निश्चित ही सरकार घबरा गई होगी।
जोर्डन भी आर्थिक दृष्टि से कमजोर हो गया है।यहां भी सऊदी अरब की तरह राजतंत्र है और निरंकुश, गैर-जवाबदेह शासन की बेरहमी को संतुलित करने के लिए सरकार तुष्टिकरण, अनुदान, संरक्षण और उत्पीडन का सहारा लेती है, जो अमूमन इस तरह की सरकारों का आधार होता है। कतर, जहां हमास का राजनैतिक कार्यालय है, अलबत्ता शक्तिशाली है और तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले दशक में वह प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा निर्यातक बना है, और यूरोप को किए जाने वाले निर्यात में रूस का विकल्प बनने के लिए अमरीका से प्रतियोगिता कर रहा है।
अरब इलाके में इजराइल के संरक्षक अमेरिका काअब पहले जैसा प्रभाव नहीं है।तभी दुनिया नेदेखा।

चंद्रयान-तीन और उडने वाले रथ की कहानियां!

अजीत द्विवेदी
चंद्रयान-तीन का चंद्रमा पर और खासतौर से उसके दक्षिणी ध्रुव की सतह पर उतरना नि:संदेह भारत के वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि है। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में यह उपलब्धि मील का पत्थर है। इसलिए निश्चित रूप से भारत के लोगों को इसके बारे में बताया जाना चाहिए और छात्रों को स्कूलों में इसके बारे में पढ़ाया जाना चाहिए। तभी राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद यानी एनसीईआरटी ने स्कूली छात्रों के लिए चंद्रयान-तीन के बारे में विशेष रीडिंग मॉड्यूल तैयार करने की बात कही तो इसका चा. तरफा स्वागत हुआ। एनसीईआरटी ने यह विशेष पाठ्य सामग्री तैयार कर दी है, जिसे १७ अक्टूबर को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जारी किया। अंग्रेजी के अखबार 'द हिंदू' की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस पाठ्य सामग्री को लेकर विवाद शुरू हो गया है क्योंकि इसमें विज्ञान के साथ साथ मिथक कथाओं का घालमेल कर दिया गया है और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो के वैज्ञानिकों की बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महिमामंडन ज्यादा किया गया है।
प्रधानमंत्री का महिमामंडन एक बात है लेकिन विज्ञान के साथ मिथक कथाओं को जोडने से बच्चों को बड़ा शैक्षणिक नुकसान हो सकता है। अगर सरकार स्कूली बच्चों को स्वतंत्र विषय के तौर पर मिथक कथाओं के बारे में पढ़ाना चाहती है तो वह बिल्कुल अलग बात है। वैदिक गणित से लेकर ज्योतिष और कर्मकांड आदि की शिक्षा के लिए अलग पाठ्यक्रम बनाए गए हैं और बड़े संस्थानों में भी अब उनकी पढ़ाई शुरू हो गई है। लेकिन विशुद्ध विज्ञान के साथ मिथक कथाओं को जोडने का बड़ा नुकसान हो सकता है। इससे बच्चों में वैज्ञानिक चेतना की बजाय अवैज्ञानिकता और अंध विश्वास बढने का खतरा पैदा होगा। प्राचीन भारत में गर्व करने के लायक बहुत सी चीजें हैं उनके बारे में लोगों को बताया जाना चाहिए और उन पर गर्व भी किया जाना चाहिए लेकिन विज्ञान की किताब में यह बताने से कि प्राचीन काल में देवताओं के रथ उड़ते थे, बच्चों का भला नहीं होगा, उलटे उनका बड़ा नुकसान हो जाएगा। 'द हिंदू' की रिपोर्ट के मुताबिक एनसी. ईआरटी के विशेष रीडिंग मॉड्यूल की भूमिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी का संदर्भ दिया गया है। प्रधानमंत्री ने इसमें चंद्रयान-तीन की सफल लैडिंग के बारे में कहा है, 'क्या यह वैज्ञानिक उपलब्धि पहली बार अभी हासिल की गई है? क्या अतीत में ऐसा कभी नहीं हुआ? क्या अतीत में लोगों ने इसके बारे में नहीं सोचा था'? इसके बाद खुद ही जवाब देते हुए प्रधानमंत्री कहते हैं, 'वैमानिक शास्त्र: विमानों के विज्ञान में कहा गया है कि उडने वाले वाहनों के बारे में देश को पहले से पता था।' रीडिंग मॉड्यूल में आगे कहा गया है, 'भारत के सबसे प्राचीन ग्रंथ वेदों में कहा गया है कि कई देवताओं के पास पहियों वाले रथ थे, जिन्हें कोई न कोई पशु, ज्यादातर मामलों में घोड़े खींचते थे और ये रथ उड़ भी सकते थे'। सवाल है कि क्या वैमानिक शास्त्र में या वेद में विमान बनाने की जो विधि लिखी है उसी का इस्तेमाल करके इसरो के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान का निर्माण किया? अगर नहीं तो इसके जिक्र से क्या हासिल होना है? बहरहाल, अगर चंद्रयान-तीन की उपलब्धि के बारे में बताते हुए बच्चों को यह पढ़ाया जाएगा कि अत्यंत प्राचीन काल में भारत के पास विमान की तकनीक थी और देवताओं के रथ उड़ते थे तो यह क्यों नहीं बताया जाए कि पहले तो चंद्रमा पर जाने की जरूरत ही नहीं थी क्योंकि चंद्रमा तो धरती पर आते रहते थे? प्राचीन हिंदू ग्रंथों में चंद्रमा से जुड़ी कई कहानियां मिलती हैं, जिनमें एक कहानी इंद्र, चंद्रमा, अहिल्या और महर्षि गौतम से जुड़ी है। इस कहानी के मुताबिक ब्रह्मा जी ने अहिल्या की शादी के लिए स्वंयवर का आयोजन किया था, जिसमें महर्षि गौतम को अहिल्या ने वर चुना था लेकिन इंद्र उनकी सुंदरता पर मोहित थे। एक दिन इच्छा के वशीभूत इंद्र धरती पर अहिल्या से मिलने आए और अपने साथ चंद्र देव को भी लेते आए। दोनों ने मिल कर महर्षि गौतम को अहिल्या से दूर ले जाने की योजना बनाई। इस योजना के तहत चंद्रमा ने आधी रात को मुर्गे की आवाज में बांग दी, जिसे सुन कर गौतम गंगा स्नान के लिए चले गए और तब इंद्र उनका वेश बना कर घर के अंदर चले गए। दूसरी ओर जब गौतम गंगा तट पर पहुंचे तो उन्हें कुछ संदेह हुआ और इस बीच गंगा ने उनको बता दिया यह इंद्र का जाल है। गुस्से में महर्षि गौतम घर लौटे तो उन्होंने चंद्रमा को बाहर बैठे देखा और उनको श्राप दिया कि उन पर राहु की कुदृष्टि हमेशा बनी रहेगी। उन्होंने अपना कमंडल भी चंद्रमा पर फेंक कर मारा था, जिसकी वजह से उन दाग लगा हुआ है। कहानी के मुताबिक उन्होंने अहिल्या को भी श्राप दिया था, जिस श्राप से अहिल्या को भगवान राम ने मुक्ति दिलाई। सोचें, क्या चंद्रमा के बारे में पढ़ाते हुए विज्ञान की कक्षाओं में बच्चों को यह कहानी बताई जा सकती है? अगर नहीं तो फिर देवताओं के रथ उडने की कहानी बताने का क्या मतलब है? दूसरा सवाल है कि धर्मग्रंथों में वर्णित कथाओं से वैज्ञानिक उपलब्धियों की तुलना करने से क्या हासिल होता है? क्या इससे हिंदुओं के देवताओं और वैज्ञानिकों दोनों की प्रतिष्ठा कम नहीं होती है? नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के थोड़े दिन के बाद ही मुंबई में रिलायंस के एक अस्पताल का उद्घाटन करने गए थे, जहां उन्होंने डॉक्टरों के सामने बताया था कि कैसे भगवान शिव ने सर्जरी के जरिए गणेश भगवान के शरीर पर हाथी का सिर लगाया था। इसी तरह की बात यह भी है कि देवताओं के रथ उड़ते थे और इसका मतलब है कि उनको वैमानिक शास्त्र का ज्ञान था। क्या इससे देवों के देव महादेव एक सामान्य सर्जन की बराबरी में या बाकी भगवान विमान बनाने वाले इंजीनियर की बराबरी में नहीं आ गए? हम लोगों के भगवान तो चमत्कारिक हैं। महादेव तीसरी आंख खोल कर पूरी दुनिया को भस्म कर सकते हैं और उनके तांडव से तीनों लोक हिल जाते हैं तो उनको भला क्यों पार्वती पुत्र की सर्जरी की जरूरत होती? असल में देवताओं के चमत्कार की तुलना वैज्ञानिकों की उपलब्धियों से करना देवताओं का अपमान तो है ही साथ ही वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को भी कमतर करने वाला है। दरअसल भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस के अनेक बड़े लोगों की समस्या है कि वे प्राचीन भारत की गौरवशाली उपलब्धियों के बारे में बताते हुए हमेशा मिथक कथाओं के संसार में प्रवेश कर जाते हैं, जबकि हकीकत में प्राचीन भारत के नाम बड़ी उपलब्धियां हैं, जिन पर गर्व किया जा सकता है। शून्य के आविष्कार से लेकर शून्य का मान निकालने, दशमलव के आविष्कार से लेकर पाई का मान दशमलव के आगे चार अंक तक निकालने की उपलब्धि हमारी रही है। खगोल विज्ञान से लेकर योग और दर्शन व कामसूत्र तक की रचना भारत में हुई है। हमें इनके बारे में बात करनी चाहिए। दुनिया में कहीं भी कोई आविष्कार हो तो यह कह देना कि भारत में पहले से ऐसा था, असल में पूरे देश को हास्यास्पद बना देता है। हमारी सारी वास्तविक उपलब्धियां भी बौनी हो जाती हैं। लोग पलट कर पूछते हैं कि आपके शास्त्र में विमान बनाने की तकनीक थी तो आपने इतने बरसों तक बनाया क्यों नहीं? इसके जवाब में व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी में यह पढ़ाया जाता है कि यूरोपीय लोग जब पहली बार भारत आए तो भारत के धर्मग्रंथों में ज्ञान का खजाना देखा और उसे चुरा कर अपने यहां ले गए। वहां उन्होंने उसका अनुवाद कराया और तभी उन जाहिल लोगों के यहां पुनर्जागरण हुआ।

फिचर्स/विविध

काली मिर्च: खांसी से दिलाए आराम

काली मिर्च का इस्तेमाल हमारे भोजन में तो अनेक रूप में होता ही है, कई रोगों में घरेलू नुस्खे के रूप में भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। इसके फायदे के बारे में बता रही हैं रजनी अरोड़ा

सर्दी-जुकाम, खांसी होने पर 8-10 काली मिर्च, 10-15 तुलसी के पत्ते मिला चाय बना कर पीने से तत्काल आराम मिलता है।

खांसी से राहत के लिए काली मिर्च, पीपल और सोंठ बराबर मात्रा में पीस लें। तैयार चूर्ण में 2 ग्राम शहद मिला कर दिन में 2-3 बार पीडित व्यक्ति को चटाएं।

4-5 काली मिर्च करीब 15 दाने किशमिश के साथ खाना खांसी में लाभकारी होता है।

2 चम्मच दही, एक चम्मच चीनी और 6 ग्राम पिसी काली मिर्च मिला कर चाटने से सूखी खांसी में आराम मिलता है।

नाक बंद हो तो सूती कपड़े में दालचीनी, काली मिर्च, इलायची और जीरे की बराबर मात्रा में पोटली बांध लें। इन्हें सूंघें, नाक खुल जाएगी।

नाक में एलर्जी होने पर 10-10 ग्राम सोंठ, काली मिर्च, पिसी इलायची और मिश्री को पीस कर चूर्ण बना लें। इसमें 50 ग्राम बीज निकले मुनक्के और तुलसी के 10 पिसे पत्ते डाल कर अच्छी तरह मिला लें।

इस मिश्रण की 3-5 ग्राम की गोलियां बना कर छाया में सुखा लें। सुबह-शाम 2-2 गोलियां गर्म पानी के साथ लें।

पिसी काली मिर्च पुराने गुड़ के साथ खाने से नाक से बहता खून बंद हो जाता है। बुखार में तुलसी, काली मिर्च और गिलोय का काढ़ा पीना फायदेमंद है।

कब्ज में फायदेमंद

कब्ज होने पर काली मिर्च के 4-5 दाने दूध के साथ रात में लेने से आराम मिलता है।

उल्टी-दस्त होने पर 5-5 ग्राम काली मिर्च, हींग और कपूर मिलाएं। छोटी-छोटी गोलियां बना लें। इन्हें हर 3 घंटे बाद लें।

20 ग्राम काली मिर्च, 10 ग्राम जीरा और 15 ग्राम शक्कर या मिश्री पीस कर मिश्रण बना लें। इसे सुबह-शाम पानी के साथ फांक लें। बवासीर रोग में आराम मिलता है।

काली मिर्च आंखों के लिए उपयोगी है। भुने आटे में देसी घी, काली मिर्च और चीनी मिला कर मिश्रण बनाएं। सुबह-शाम इस मिश्रण की 5-5 चम्मच खाएं।

कमजोर आंखों के लिए काली मिर्च का पाउडर देसी घी के साथ मिला कर खाएं।

नमक के साथ काली मिर्च मिला कर दांतों में मंजन करने से पायरिया ठीक होता है और दांत मजबूत होते हैं।

मुंह से बदबू आती है तो रात को ब्रश करने से पहले दो काली मिर्च चबा लें।

हाई ब्लड प्रेशर हो तो आधा गिलास गुनगुने पानी में एक चम्मच काली मिर्च पाउडर घोल कर 2-2 घंटे के अंतराल पर पीने से आराम मिलेगा।

हनीमून के खास पलों को फीका न कर दें, ये टिप्स...

विवाह की ही तरह हनीमून भी नवविवाहित युगल के लिए अविस्मरणीय रोमांटिक पलों को खूबसूरत बनाने के लिए सब का सपना होता है।

हनीमून की तैयारी ऐसी होनी चाहिए कि ताउम्र इससे जुडी यादें आप दोनों की पूरी लाइफ याद आती रहें। इसलिए इस पर निकलने से पहले पूरी तैयारी करें, ताकि थोडी सी कमी आपके इन खास पलों को फीका न कर दें। तो जानते हैं इसी से जुडे कुछ स्पेशल टिप्स-

हनीमून पर जाने से पहले उस जगह व होटल जहां पर रूकेंगे, पूरी जानकारी कर लें। अपनी प्लानिंग टाइम पर शुरू करें, जितनी जल्दी करेंगे, उतनी ही बेहतर प्लान कर पाएंगे। साथ ही, दोनों मिल कर ही फैसला लें।

बुकिंग किसी ट्रैवल एजेंट से करवाएं, एजेंट का फोन नंबर हमेशा अपने पास रखें। रोमांटिक राइड्स का मजा लेने से न चूकें, झील और झरनों वाली जगहों पर घूमने पर बोट बुक कर सकते हैं।

हनीमून पर जाने पर एक बात का खास ध्यान रखें कि एक से ज्यादा जगह पर घूमने की योजना न बनाएं।

ऐसा करने से ज्यादा वक्त ट्रैवलिंग में चला जाएगा और आप एकदूसरे को टाइम ही नहीं दे पाएंगे। ज्यादा भीड वाली जगहों पर न जाएं, बल्कि जगह ऐसी हो जो दोनों को पसंद हो।

कैरियर की सही राह चुनने में कारगार हैं यह टिप्स

कंप्यूटर डिजाइन, एनीमेशन, ब्यूटी, फैशन , तकनीकी कला, हैल्थ, डिजाइनिंग इत्यादि ऐसे अनेक क्षेत्र हैं जिसमें यंगस्टर्स को अपनी सामर्थ्य, क्षमता एवं योग्यता का अधिकाधिक प्रदर्शन करने का मौका मिलता है। बच्चों के साथ-साथ पेरेंट्स की सोच में काफी चैनज आ गया है, अब वे अपने सपनों को बच्चों पर थोपना नहीं चाहते, वे बच्चों की रूचि, क्षमता एवं सामर्थ्य के हिसाब से कैरियर की राह चुनने में खुद मदद करते हैं और यह भी जानने का प्रयास करते हैं कि बच्चो का रूझान किस ओर है। अगर आपको आर्ट करना पसंद है तो आप ग्राफिक डिजाइनर का कोर्स कर सकते हैं। ग्राफिक डिजाइन की खूब डिमांड है। अगर आप को लोगों से मिलनाजुलना पसंद है और आप दूसरों की मदद व केयर करना पसंद है, तो असिस्टेंट या एडमिनिस्ट्रेशन, नसिं ?ग आदि क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं। पढने का शौक है तो अगर बच्चो को पढने का शौक है, तो आप रोचक और नौलीज वाली किताबें लाकर दें। इससे उसकी अंदर की सोच और उभर कर सामने आएगी। यदि आप बातचीत लोगों को प्रभावित करती है, तो इसी कम्यूनिकेशन स्किल के जरिए आप सोशल वर्कर, मार्केटिंग मैनेजर बन सकते हैं।

दही चेहरे से दाग-धब्बे, झुर्रियां करे दूर

सुबह आंख खुलते ही और रात को सोने से पहले हमारी नजर अपनी त्वचा पर ही जाती है। फिर भी हम त्वचा को सबसे ज्यादा नजरअंदाज करते हैं। हमें इसकी देखभाल की भी ज्यादा जरूरत होती है। हमारी त्वचा का प्रभावी गुण है। आखिर खूबसूरती है क्या! कुदरत की देन या आंखों की कल्पना शायद दोनों का अपना नजरिया है, पर यह नजरिया तब और निखर जाएगा जब आप थोडी सूझबूझ से इसकी देखभाल करेंगी। तो गोरी निखरी त्वचा आसानी से मिल सकती है। यदि आपकी त्वचा रूखी है तो आप आधा कप दही में एक छोटा चम्मच जैतून का तेल तथा एक छोटा चम्मच नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर लगाकर गुनगुने पानी से चेहरा धोने से त्वचा का रूखापन खत्म हो जाता है।

त्वचा को तरोताजा बनाने के लिए आप नींबू का रस दही में मिलाकर चेहरे पर लगाएं और फिर कुछ दिनों में ही आप चेहरे पर बदलाव पाएंगे।

चेहरे के साथ-साथ दही के इस्तेमाल से नाखून और बालों को भी लाभ पहुंचता है। यदि सप्ताह में दो बार दही बालों में लगाया जाए तो रूखे-बेजान बालों की चमक वापिस आ जाती है।

मुंहासे की समस्या को दूर करने के लिए चेहरे पर खट्टे दही का लेप लगाए और सोखने पर धो लें। कुछ दिन तक लगातार ऐसा ही करें, निश्चय ही मुंहासे दूर करने में लाभ होगा।

दही ऐसा प्राकृतिक सौंदर्य साधन है जो न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है बल्कि हमारे सौंदर्य के लिए भी फायदेमंद है।

दमकती त्वचा पाने और चेहरे से दाग-धब्बे, झुर्रियां इत्यादि दूर करने के लिए आप दही के साथ चोकोर या बेसन मिलाकर चेहरे पर लगा सकते है। दही में गाजर, ककडी, पपीता आदि मौसमी फलों का रस मिलाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा में निखार आएगा। इतना ही नहीं आप कुछ मौसमी सब्जियों के रस में दही को मिलाकर लगाएंगे तो भी लाभ मिलेगा।

उत्तराखंड हाईकोर्ट में जस्टिस नैथानी ने ली शपथ

हल्द्वानी(आरएनएस)। उत्तराखंड हाईकोर्ट के नए न्यायाधीश आशीष नैथानी ने गुरुवार को शपथ ग्रहण की। उन्हें हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी. नरेंदर ने शपथ दिलाई।शपथ ग्रहण कार्यक्रम मुख्य न्यायाधीश की कोर्ट में हुआ।न्यायमूर्ति आशीष नैथानी को उत्तराखंड हाईकोर्ट का जज नियुक्त करने का आदेश दो दिन पूर्व केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद जारी किया था । जस्टिस आशीष नैथानी उत्तराखंड उच्च न्यायिक सेवा के अधिकारी हैं । वे कुछ समय पूर्व उत्तराखंड हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के पद से सेवानिवृत्त हुए थे । उनकी सेवानिवृत्ति से पूर्व उन्हें हाईकोर्ट का जज बनाने की संस्तुति हुई थी ।

डीएम और एसएसपी ने लिया नगर पालिका चुनाव के लिये बने स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण

रुद्रपुर(आरएनएस)। जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा ने अधिकारियों के साथ मंडी समिति खटीमा मैं बने स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। खटीमा मंडी में नगर पालिका परिषद खटीमा की मतगणना होगी तथा मतदान हेतु मतदान पार्टियां भी यहीं से रवाना होंगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मंडी से खटीमा नगर निकाय की मतदान पार्टियां रवाना होंगी व मतगणना होगी इसलिए सभी तैयारियां 20 जनवरी तक पूर्ण कर ली जाय। उन्होंने कहा 25 जनवरी को मतगणना होगी इसलिए मतगणना की भी तैयारियां भी पहले ही पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्ट्रांग रूम की सभी पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें व कनॉथ तथा मतगणना कक्षों में जालियां लगाई जाए।उन्होंने पर्याप्त लाइटिंग व पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने प्रेक्षक के लिए एक रूम अलग से बनाते हुए रूम में कंप्यूटर, इन्टरनेट व्यवस्था कर बैरिकेटिंग भी कराने के निर्देश उपजिलाधिकारी को दिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मिश्रा ने कहा के की स्ट्रांग रूम व मतगणना हेतु पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था रहेगी।उन्होंने मतगणना स्थल की पर्याप्त बैरिकेटिंग कराने के निर्देश दिए। उपजिलाधिकारी रविन्द्र बिष्ट ने बताया कि नगर पालिका परिषद खटीमा में 20 वार्ड है जिनमें निर्बाध व शांतिपूर्ण मतदान कराने हेतु 72 बूथ बनाए गए हैं तथा 04 सैक्टर व 02 जोनल मैजिस्ट्रेट लगाए गए हैं। निरीक्षण दौरान उपजिलाधिकारी कस्तुभ मिश्रा, तहसील व मंडी स्टाफ उपस्थित थे।

चारधाम सरंक्षण समितिके अध्यक्ष बने अशोक सेमवाल

उत्तरकाशी(आरएनएस)। आगामी चारधाम यात्रा को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालित करने के लिए चारधाम तीर्थ संयुक्त रोटेशन यातायात, होटल व्यवसायी एवं टैक्सी यूनियन के पदाधिकारियों की एक बैठक संपन्न हुई।

पुरोहितों ने चारधाम संरक्षण समिति का गठन किया है। जिसमें गंगोत्री धाम के तीर्थ पुरोहित अशोक सेमवाल को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। गुरुवार को देहरादून में गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ एवं बदरीनाथ धाम के तीर्थ पुरोहितों सहित टूर ऑपरेटर, बैठक में आगामी चारधाम यात्रा के दौरान सीमित संख्या किए जाने, यात्री पंजीकरण, सड़कों की खस्ताहालत सहित विभिन्न स्थानों पर बनाए गए अनावश्यक चेक पोस्टों पर चेकिंग करने को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इस मौके पर काशी विश्वनाथ मंदिर उत्तरकाशी के महंत अजय पुरी ने कहा कि चारधामों में हमारी जो अतिथि देवो भवः की जो सोच है, उसमें कहीं न कहीं कुठारा घात हो रहा है। कहा कि यात्रा के लिए महज तीन का समय शेष हैं, लेकिन यात्रा तैयारियां अभी कहीं भी धरातल पर नहीं उतरी हैं और सरकार शीतकालीन यात्रा की उपलब्धियों को गिना रही है। उन्होंने कहा चारधाम यात्रा में आ रहे तीर्थ यात्रियों से हमारा रोजगार चलता है। जिसके लिए सरकार के साथ मिलकर उन्हें सुगम व सुरक्षित यात्रा करने का प्रयास करने का प्रयास करना होगा। बैठक में बागेश्वर उनियाल,नवीन रमोला, सुमित सिंह, नवीन मोहन,जगमोहन सिंह परमार भगवती रतूड़ी, ओमप्रकाश डोभाल, दिनेश डोभाल, भगवती रतूड़ी,आशुतोष डिमरी, संदीप साहनी , संदीप राणा आदि मौजूद थे।

सीएम आज कर्णप्रयाग में करेंगे जनसभा

चमोली(आरएनएस)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शनिवार को कर्णप्रयाग में नगर निकाय चुनाव के प्रत्याशियों के पक्ष में बाइक रैली में प्रतिभाग कर जनसभा को संबोधित करेंगे। सीएम के वरिष्ठ निजी सचिव भूपेंद्र बसेड़ा ने बताया कि सीएम सिवाई में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना से संबंधित कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे। वहीं भाजपा के नगर पालिका अध्यक्ष पद के प्रत्याशी गणेश शाह ने बताया कि कर्णप्रयाग में जनसभा की तैयारियां पूरी हो गई है। जनसभा में भारी संख्या में लोगों के आने की उम्मीद है। कहा कि सीएम सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के बारे में लोगों को अवगत कराएंगे। साथ ही कर्णप्रयाग व गौचर के भाजपा के अध्यक्ष और सभाषद के प्रत्याशियों के समर्थन में जनता से वोट देने की अपील करेंगे।

कक्कड़पाली-लूसी मोटर मार्ग का निर्माण कार्य अधर में

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। विकासखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत कक्कड़पाली से बांगापानी से होते हुए लूसी तक मोटरमार्ग का निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है। मोटरमार्ग की राह देख रहे ग्रामीणों को 4 किलोमिटर की पैदल दूरी नापनी पड़ रहीं है। ग्राम प्रधान पैंडुला सुनय कुकसाल, मुनेंद्र भंडारी, विनोद प्रसाद, अजमेर भंडारी, सुशील देवी ने कहा कि मोटरमार्ग 2020 में प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति मिली थी। सर्वे में मोटरमार्ग पर वन क्षेत्र के अंतर्गत आने के कारण मोटरमार्ग वन विभाग के पाले में आ गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि लोक निर्माण विभाग के ओर से पत्रावली पूरी न किए जाने पर मोटर मार्ग का कार्य पूरा रुका हुआ है। कहा कि विगत चार वर्षों से मोटर मार्ग को लेकर लगातार विभागीय अधिकारियों से पत्राचार किया जा रहा है, इसके बावजूद अधिकारी ग्रामीणों को आश्वासन पे आश्वासन दे रहे हैं। कहा कि मोटरमार्ग न होने से लूसी गांव के ग्रामीणों को चार किलोमीटर खड़ी चढ़ाई चढ़नी पड़ती है। चढ़ाई चढ़ने में बुजुर्ग लोग असमर्थ हैं। मोटरमार्ग पर कार्य शुरू न होने पर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

भाजपा को पूर्व सैनिकों और मालगाड़ी एसोसिएशन के समर्थन का दावा

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। भाजपा के रीति नीति एवं कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत द्वारा श्रीनगर विधानसभा में किए गये विकास कार्यों से प्रभावित होकर बद्री विशाल मालगाड़ी कल्याण एसोसीएशन एवं गौरव सेनानी संगठन श्रीनगर ने निकाय चुनाव में भाजपा को समर्थन देने का दावा किया है। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने स्वास्थ्य एवं श्रीनगर विधानसभा के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। इस मौके पर उन्होंने कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की मौजूदगी में संगठनों ने समर्थन दिया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास और सबका प्रयास के साथ विकास के कार्य को करती आ रही है। इसी कारण से लोगों का अपार जन समर्थन नगर निगम चुनाव में भाजपा को मिल रहा है। कहा कि श्रीनगर विधानसभा के विकास कार्यों के लिए वह हमेशा तत्पर रह कर कार्य करेंगे। इस मौके पर उन्होने पर समर्थन देने पर सभी का आभार व्यक्त किया।

उत्कृष्ट कार्य करने पर दो महिला आरक्षी हुई सम्मानित

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। जनपद पुलिस विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने पर दो महिला आरक्षी को पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्मानित किया गया। उन्हें भविष्य में भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। ताकि उन्हें सराहनीय कार्य करने वाले कार्मिकों की सूची में सम्मानित किया जाए। पुलिस विभाग के सीसीटीएनएस प्रोजेक्ट में उत्कृष्ट कार्य करने पर पुलिस कार्यालय में नियुक्त दो महिला आरक्षी साधना एवं कोतवाली सोनप्रयाग में तैनात आरक्षी अनीता को पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे ने पुलिस मैन ऑफ द मंथ के रूप में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एसपी ने जनपद में पुलिस मैन ऑफ द मंथ के तौर पर सम्मानित करने की पहल शुरू कर दी है।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक **गार्गी मिश्रा** द्वारा इंटर ग्राफिक आफॅसेट प्रिंटर्श 64 नेशविला रोड़ देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित, 98, 2-फ्लोर, सनशाइन अपार्टमेन्ट, नागल हटनाला, कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 से प्रकाशित।

सम्पादकः
गार्गी मिश्रा
8765441328

समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे।